हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 203 | कानपुर, गुरुवार 21 जुलाई 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्य : 2 रुपये

बिल्डर ने पेट्रोल डालकर ठेकेदार को जिंदा फूंका, इलाज के दौरान मौत

200 करोड़ कोरोना टीकाकरण पर पीएम मोदी का वैक्सीनेटर्स को निजी पत्र, कहा- ये नए भारत की ताकत

कोरोना के खिलाफ जंग में बड़ा मुकाम हासिल करते हुए भारत ने हाल ही में कोविड वैक्सीन की 200 करोड़ खुराक देने का आंकड़ा पार किया है. इसके लिए पहले ही बधाई दे चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब इस काम को अंजाम देने वाले लोगों का हौसला बढ़ाने के लिए नया कदम उठाया है. उनकी तरफ से सभी वैक्सीनेटर्स को निजी तौर पर प्रशस्ति पत्र भेजे गए हैं. इसमें उन्होंने वैक्सीनेशन के काम से जुड़े लोगों की तारीफ करते हुए कहा है कि इतने कम समय में 200 करोड़ डोज का मुकाम हासिल करना नए भारत की ताकत दिखाता है. मुश्किल वक्त में भारत की इस दिलेरी को आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगी. समाचार एजेंसी ए एन आई के मुताबिक, इस पत्र को वैक्सीनेटर्स अपनी कोविन लॉगिन आईडी के जरिए डाउनलोड कर सकते हैं । प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में लिखा है कि कोविड वैक्सीनेशन की हमारी यात्रा 16 जनवरी 2021 को शुरू हुई थी, और 17 जुलाई 2022 का दिन हमेशा के लिए यादगार बन गया. इस दिन हमने 200 करोड़ वैक्सीन डोज का मुकाम हासिल किया. कोरोना से जंग में यह एक उत्कृष्ट उपलब्धि है. उन्होंने कहा कि जिंदगी बचाना बहुत अहम है, खासकर सदी में एक बार आने वाली वैश्विक आपदा के समय में. हमारे वैक्सीनेटर्स, हेल्थकेयर वर्कर्स, हेल्थकेयर सपोर्ट स्टाफ और फ्रंटलाइन वर्कर्स ने भारत वासियों की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. यह ड्यूटी के प्रति समर्पण का प्रशंसनीय उदाहरण है । पीएम मोदी ने सभी वैक्सीनेटर्स को उनके नाम से भेजे पत्र में कहा कि बर्फ से ढके पर्वत हों या तपते रेगिस्तान, दूरदराज के गांव हों या घने जंगल, कोरोना वैक्सीनेशन कार्यक्रम में कोई भी नही छूटा. यह नए भारत का आखिरी मोर्चे तक मदद पहुंचाने का बेहतरीन उदाहरण है. जिस

पैमाने पर और जिस तेजी से भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन कार्यक्रम चलाया, वह शानदार है. पीएम मोदी ने कहा कि यह सब आपके सहयोग और प्रयासों से ही मुमकिन हो सका है. इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं । इससे पहले, 200 करोड़ टीकाकरण की उपलब्धि हासिल होने पर पीएम मोदी ने ट्वीट करके कहा था कि भारत ने फिर इतिहास रचा. वैक्सीन की 200 करोड़ खुराक का विशेष आंकड़ा पार करने पर सभी भारतीयों को बधाई. हमें उन लोगों पर गर्व है, जिन्होंने भारत के टीकाकरण अभियान को अद्वितीय बनाने में योगदान दिया. इसने कोरोना के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत किया है ।

200 करोड़ टीके लगने पर नड्डा ने मोदी की तारीफ, बोले- पीएम के विजन से भारतीयों को मिला सुरक्षा कवच

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि भारत ने कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण की खुराक देने में 200 करोड़ का मील का पत्थर पार किया है जो भारत के बदलते चेहरे को दर्शाता है। नड्डा ने यह भी कहा कि देश को पोलियो और अन्य बीमारियों के टीके हासिल करने के लिए लगभग 20 वर्षों तक इंतजार करना पड़ा था। नड्डा केंद्र संचालित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के कैंपस में एर टीकाकरण केंद्र में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के एक समूह के साथ बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, भारत हमेशा उन डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का ऋणी रहेगा जिन्होंने कोविड के दौरान अपने स्वंय के जीवन की परवाह किए बिना मानवता की सेवा की। नड्डा ने दावा किया कि हमने पिछले वर्ष जनवरी में टीकाकरण शुरू होने के बाद देश में खुराक की संख्या के संबंध में 200 करोड़ का मील का पत्थर पार कर लिया है। उन्होंने आगे कहा कि यह वही भारत है जिसे पोलियो, चेचक और अन्य बीमारियों के खिलाफ टीका पाने के लिए लगभग 20 वर्षों तक इंतजार करना पड़ा। नड्डा ने आगे कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से देश को कोविड-19 के खिलाफ सिर्फ एक नहीं बल्कि दो टीके मिले।

यह भारत के बदलते चेहरे की तस्वीर है। भारतीय अब एक सुरक्षा कवच और एक स्वास्थ्य कवच साथ लेकर चल रहे हैं।

दिनेश खटीक के इस्तीफे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दी सफाई, बोले- उनका पूरा सम्मान है

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उनकी जल शक्ति विभाग के राज्य मंत्री दिनेश खटीक से रोजाना बातचीत होती रहती है, वह नाराज नहीं हैं। उन्होंने खुद इस बात को स्वीकार किया है और अगर कोई बात होगी भी, तो बैठकर सुलझा लिया जाएगा। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, वह इसे तिल का ताड़ बना रहा है। यह बातें उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री दिनेश खटीक का पार्टी और सरकार में पूरा सम्मान है। उनकी हर बात को गंभीरता से लिया जाता है। इसके बावजूद अगर कहीं कोई बात है, तो उस पर चर्चा कर ली जाएगी और उसका समाधान निकाल लिया जाएगा। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सपा मुखिया के पास कोई मुद्दा नहीं है। अपने सौ दिनों के कार्यकाल में सरकार ने सफलतापूर्वक तमाम उपलब्धियां दर्ज की हैं। इससे हताश होकर सपा मुखिया

मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। पार्टी और सरकार में समाज के सभी वर्गों को सम्मान दिया जा रहा है और आगे भी दिया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास पर कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाना है। मामले पर योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हर कोई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति को जानता है। इसके तहत अगर किसी भी विभाग में अनियमितता होगी तो कठोर निर्णय लिए जाएंगे। मामले में निष्पक्ष जांच होगी। उन्होंने कहा कि जहां तक तबादलों का सवाल है। जहां भी अनियमितता है वहां बदलाव किए जाएंगे।

मंत्रियों की नाराजगी के बीच सीएम योगी की नसीहत- अपने स्टाफ पर आंख मूंद कर भरोसा न करें मिनिस्टर

उत्तर प्रदेश में तबादलों में गड़बड़ी और मंत्रियों की नाराजगी की खबर के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों को नसीहत दे डाली. योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों से साफ कर दिया है कि वे अपने स्टाफ पर आंख मूंद कर भरोसा न करें. दरअसल, चर्चा है कि योगी सरकार में जलशक्ति विभाग के राज्यमंत्री दिनेश खटीक और जितिन प्रसाद नाराज चल रहे हैं ।दरअसल, लोक निर्माण विभाग में तबादलों में भ्रष्टाचार पर अफसरों पर कार्रवाई करने के बाद सीएम योगी ने मंत्रियों से कहा है कि वे अपने दफ्तर और निजी स्टाफ पर आंख मूंद कर भरोसा न करें. उन्होंने कहा,

कि अपने दफ्तर और स्टाफ पर नजर रखें. मंत्री इस बात पर भी ध्यान दें कि उनका स्टाफ क्या कर रहा है. सीएम योगी ने मंगलवार को लोकभवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में यह नसीहत दी. सीएम योगी ने मीटिंग में साफ कर दिया कि भ्रष्टाचार और अनियमितता की एक भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. मंत्री इमानदारी और पारदर्शिता से काम करें । दरअसल, यूपी में डॉक्टरों के तबादलों और लोक निर्माण विभाग में तबादलों में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया था. इसके बाद योगी सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद के विशेष कार्याधिकारी ओएसडी अनिल कुमार पांडे को हटा दिया गया था. इसके अलावा पीडब्ल्यूडी के पांच अफसरों-कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया था । खबर है कि इस कार्रवाई से जितिन प्रसाद नाराज हैं. हालांकि, उनकी नाराजगी खुलकर सामने नहीं आई है. बताया जा रहा है कि जितिन प्रसाद आज दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात करेंगे. माना ये जा रहा है कि तबादलों पर कार्रवाई और जांच को लेकर जितिन प्रसाद अमित शाह के सामने अपनी बात रख सकते हैं । इसे लेकर उन्होंने मंगलवार को योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी । इसके अलावा योगी सरकार के एक और मंत्री दिनेश खटीक भी नाराज हैं. उनसे कल से संपर्क नहीं हो पा रहा है. चर्चा है कि उन्होंने सरकारी गाड़ी और सुरक्षा छोड़ दी है. साथ ही अपने फोन भी बंद कर लिए. हालांकि, सरकार की तरफ से इससे इंकार कर दिया गया है ।

जीएसटी को राहुल ने बताया गब्बर की रेसिपी, बोले- कम बनाओ, कम खाओ, जुमले के तड़के से भूख मिटाओ

खाने-पीने की जरूरी चीजों पर जीएसटी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, जो मित्रों के अनकहे शब्दों को सुनते हैं, उन्हें अब लोगों की बात सुननी होगी और इस कदम को वापस लेना होगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि महंगाई से जूझ रहे लोगों के लिए गब्बर की रेसिपी, कम बनाओ, कम खाओ और जुमले के तड़के से भूख मिटाओ। मित्रों की अनकही बातें तक सुनने वाले प्रधानमंत्री को अब जनता की बात सुननी होगी और ये जीएसटी वापस लेना होगा। कांग्रेस और अन्य दल महंगाई और जीएसटी दरों के मुद्दे पर संसद में तत्काल

चर्चा की मांग कर रहे हैं। सोमवार को मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से ही संसद में इस मुद्दे पर व्यवधान देखा गया। पच्चीस किलो से कम वजन वाले अनाज, दाल और आटे जैसे प्री-पैकेज्ड और लेबल वाले खाद्य पदार्थों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया है। दही और लस्सी जैसे लीटर में मापी जाने वाली वस्तुओं के लिए ये सीमा 25 लीटर है। इससे पहले राहुल गांधी ने जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहते रहे हैं। बुधवार को उन्होंने इसे श्गृहस्थी सर्वनाश टैक्सश बताया और कहा कि यह आम घरों के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा।

एमएसपी कमेटी में पंजाब को प्रतिनिधित्व नहीं देने पर भड़के सीएम मान, बोले- राज्य की भागीदारी सुनिश्चित हो

केंद्र की मोदी सरकार ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को प्रभावी बनाने समेत खेती से जुड़े अन्य विषयों को लेकर कमिटी बनाई है. लेकिन इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार की आलोचनी की है. उहोंने ट्वीट करके अपनी बात कही है. पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, मैं इस बात की आलोचना करता हूं कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़ी हुई कमेटी बनाते पंजाब को प्रतिनिधित्व नहीं दिया है । सीएम भगवंत मान ने अपने बयान में पंजाब के किसानों की खराब वित्तीय हालत का मुद्दा भी उठाया है. उन्होंने कहा, पंजाब के किसान पहले ही फसल चक्र में नुकसान का सामना कर रहे हैं. एमएसपी हमारा कानूनी हक है. केंद्र सरकार को एमएसपी से जुड़ी कमेटी में पंजाब की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए । गौरतलब है कि पंजाब और हरियाणा के किसान नेताओं ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर केंद्र की ओर से हाल ही में गठित एक समिति को लेकर आशंका

व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि सरकार निरस्त किये गए कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से वापस लाना चाहती है. किसान नेताओं का मानना है कि समिति को खुद को एमएसपी के मुद्दे तक सीमित रखना चाहिए था, जबकि अन्य विषयों जैसे कि प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के तरीकों पर अलग से विचार किया जा सकता था ।

साथ ही राज्यसभा सांसद ने दावा किया कि राज्यों, विशेष रूप से पंजाब के गैर-प्रतिनिधित्व के माध्यम से संघवाद के सिद्धांतों का उल्लंघन किया गया है.

चड्ढा ने कहा, इस बात के स्पष्ट सबूत हैं कि बीजेपी एकीकृत तरीके से भारत का नेतृत्व नहीं कर सकती, खासकर अपने किसानों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर. यह स्पष्ट है कि एमएसपी को प्रभावी बनाना क्यों विचाराधीन है, लेकिन न्यूनतम एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी नहीं ।

सम्पादकीय

नये मुकाम पर पीवी सिंधु

सिंगापुर ओपेन ट्रॉफी में पीवी सिंधु की जीत भारतीय बैडमिंटन के इतिहास की शानदार परिघटना है. इस साल यह उनकी तीसरी लगातार जीत है. वे इस माह के अंत में शुरू होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी. सिंधु की जीत के हवाले से कुछ बातें जेहन में आती हैं. एक तो यह कि ओलिंपिक या वैश्विक स्तर पर जो प्रतिष्ठित खेल हैं, उनमें किसी खेल में अगर भारत बहुत मजबूती से प्रदर्शन कर रहा है, तो वह बैडमिंटन है.

इस खेल में साइना नेहवाल से शुरू हुई यात्रा नये मुकाम की ओर जाती दिख रही है. नेहवाल के बाद से ऐसा कोई ओलिंपिक आयोजन नहीं है, जिसमें भारत ने बैडमिंटन में पदक न हासिल किया हो. दो पदक तो सिंधु ही जीत चुकी हैं. नेहवाल ने एक मेडल लंदन ओलिंपिक में जीता था. दूसरी बात यह है कि जो खिलाड़ी पदक पाने में कामयाब नहीं रहे, उनका प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा और वे मुकाबले में अंत तक जमे रहे थे. अगर हम दो साल बाद के ओलिंपिक को देखते हैं, तो सिंधु समेत कई ऐसे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जो मेडल के हकदार नजर आते हैं.

हाल ही में भारत ने बैडमिंटन का प्रतिष्ठित थॉमस कप जीता है. वह जीत किसी भी खेल के टीम इवेंट के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत है. कई लोग इस बात से इनकार कर सकते हैं, पर मेरी राय यही है कि यह 1983 के क्रिकेट विश्व कप से भी बड़ी जीत थी. हम ओलिंपिक में जो गोल्ड मेडल जीतते रहे थे, उससे भी बड़ी जीत थॉमस कप की इसलिए है कि वैश्विक स्तर पर बैडमिंटन सबसे अधिक प्रतिस्पर्द्धा वाला खेल है.

सौ से अधिक देश गंभीरता से बैडमिंटन खेलते हैं. अगर हम ओलिंपिक हॉकी के इतिहास को देखें, तो उस समय लगभग आधा दर्जन देश ही मुख्य रूप से हावी थे. क्रिकेट को या किसी भी खेल को मैं कमतर नहीं आंकता, पर यह सच है कि एक दर्जन से भी कम देश गंभीर क्रिकेट खेलते हैं. पीवी सिंधु की यात्रा को अगर आप देखें, उनकी तरह व्यक्तिगत खेलों में उपलब्धियां हासिल करने वाला और कोई खिलाड़ी किसी भी खेल में नजर नहीं आता. इसकी वजह यह है कि उनके पास विश्व चौंपियन का खिताब है, ओलिंपिक के मेडल हैं और कई विश्व स्तर की अन्य जीतें हैं. बैडमिंटन में चाहे हम प्रकाश पादुकोण का नाम लें, पी गोपीचंद का नाम लें, साइना नेहवाल का नाम लें, इन सबसे लंबी लकीर पीवी सिंधु ने खींच दी है. हम यह जरूर चाहते हैं कि वे ऑल इंग्लैंड चौंपियनशिप भी जीतें क्योंकि भारत में उसे एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट माना जाता है. इस टूर्नामेंट को छोड़ दें, तो अन्य सभी बड़े आयोजनों में सिंधु ने नाम हासिल किया है.

यह सवाल स्वभाविक है कि अब पीवी सिंधु का करियर किस ओर जायेगा. बीते कुछ वर्षों की उनकी यात्रा को देखें, तो यह साफ दिखता है कि उन्होंने यह अच्छी तरह सीख लिया है कि उन्हें कब ऊपर उठना है. तोक्यो ओलिंपिक के समय यह कहा जा रहा था कि सिंधु फॉर्म में नहीं है, लेकिन ठीक ओलिंपिक से पहले उन्होंने अपने को पिक किया और मेडल लेकर आयीं. विश्व चौंपियनशिप के दौरान कहा जा रहा था कि सिंधु सिल्वर मेडल ही क्यों पाती हैं. तब उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था. ऐसा ही इंडोनेशिया ओपेन और सिंगापुर ओपेन में भी हुआ. इसका सीधा मतलब है कि जो खिलाड़ी अपने को पिक करना जानता है, वह अपने करियर को लंबा करना भी जानता है. इसे देखते हुए लगता है कि आगामी कुछ वर्षों, जिनमें ओलिंपिक भी शामिल है, में पीवी सिंधु कड़ी टक्कर देती रहेंगी. इसमें कोई संदेह की गुंजाइश नहीं है. वे लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, सो उम्मीदें भी हैं.

भारतीय बैडमिंटन (महिला व पुरुष दोनों) में अच्छे खिलाड़ियों का एक समूह उभर कर सामने आया है. लक्ष्य सेन से बहुत अपेक्षाएं हैं. ये खिलाड़ी भारतीय बुलंदी के झंडे को आगे ले जाने में सक्षम हैं. हम भारतीय बैडमिंटन की सक्सेस स्टोरी को पुलेला गोपीचंद की एकेडमी तक ले जाकर रोक देते हैं. लेकिन देश में अनेक ऐसे प्रशिक्षण केंद्र बने हैं, जहां अच्छे खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं और वे प्रकाश पादुकोण, नेहवाल, गोपीचंद, सिंधु जैसे खिलाड़ियों को आदर्श मानकर अपने को बेहतर बना रहे हैं.

उनमें भी यह आत्मविश्वास पैदा हो रहा है कि इन खिलाड़ियों की तरह वे भी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में अपना नाम कर सकते हैं. पहले के दौर में यह माना जाता था कि केवल क्रिकेट खिलाड़ी ही आइकन हो सकते हैं, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, एमएस धौनी, विराट कोहली जैसे कई क्रिकेटर युवाओं के आदर्श बने.

पर बीते कुछ सालों में परिदृश्य तेजी से बदला है. पीवी सिंधु जैसे आइकन के आने से किशोरों व युवाओं में ओलिंपिक खेलों में भी अच्छा करने की प्रेरणा मिली है. सिंधु की पारिवारिक पृष्ठभूमि मध्यवर्गीय है. उनके माता–पिता वॉलीबॉल खिलाड़ी रहे. उनकी बहन डॉक्टर हैं. ऐसे परिवार के एक सदस्य को बैडमिंटन से जोड़ना और उस पर पूरा दांव लगाना निश्चित ही उत्साहजनक उदाहरण है. आने वाले समय में हमें अनेक खेलों में ऐसे स्टार देखने को मिल सकते हैं.

उदय समाचार
दैनिक
स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।
संपादक
उदय कुशवाहा
Title Code - UPHIN49938
नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा ।

राष्ट्रीय जंक फूड दिवस – 21 जुलाई

जंक फूड आमतौर पर, परिभाषा के अनुसार, वसा, शर्करा, नमक और कैलोरी में उच्च होते हैं। लेकिन अधिक बार नहीं, वे स्वादिष्ट होते हैं! जंक फूड डे खुद का इलाज करने के लिए एकदम सही दिन है। राष्ट्रीय जंक फूड दिवस पर आपको अपनी मनचाही चीज खाने को मिलती है। आप भी जितनी चाहें उतनी मात्रा में खाएं। कल, हालांकि, यह स्वस्थ आहार पर वापस आ गया है। यह कैंडी भी नहीं होना चाहिए। बेकन की तरह? इतना बेकन खाओ! मिर्च पनीर कुत्तों की तरह? अपने मनचाहे कुत्ते खाओ। प्याज के छल्ले, हाँ कृपया। पिज़्ज़ा? इसे नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने के लिए लें। राष्ट्रीय जंक फूड दिवस आपके पसंदीदा में शामिल होने के बारे में है। राष्ट्रीय जंक फूड दिवस एक ऐसा दिन है जो आपको उन खाद्य पदार्थों को कम करने की अनुमति देता है जो आप आमतौर पर नहीं करते हैं। जंक फूड, उनकी परिभाषा के अनुसार, बहुत अधिक कैलोरी, नमक, चीनी और वसा होते हैं, और वे बहुत पोषण मूल्य प्रदान करते हैं। आप सोच सकते हैं कि जंक फूड को समर्पित दिन बिताने से किसी का कोई भला नहीं होता। हालाँकि, यदि आप एक स्वस्थ और संतुलित आहार का पालन करते हैं, तो साल का एक दिन ऐसा करने में कुछ भी गलत नहीं है, जिससे आप अपनी इच्छानुसार कुछ भी खा सकें। वास्तव में, इसे प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि इसका मतलब है कि आप बाकी समय स्वस्थ खाने की अधिक संभावना रखते हैं, है ना? बेशक, यह आप पर निर्भर है कि आप राष्ट्रीय जंक फूड दिवस को पूरी तरह से अपनाने का फैसला करते हैं या नहीं, लेकिन हम जानते हैं कि हम ऐसा करेंगे । इस भोजन से भरे दिन के पीछे के इतिहास की खोज करने पर, हमें इस दिन की उत्पत्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। यह संभवतः एक आहार जागरूक व्यक्ति या समूह द्वारा बनाया गया था, जो बिना किसी अपराध के जंक फूड खाने की इच्छा रखता था, साल में कम से कम एक दिन, मेरे लिए एक महान विचार की तरह लगता है। इसे राष्ट्रीय दिवस बनने के लिए कांग्रेस के एक अधिनियम की आवश्यकता है। मुझे वैसे भी इसे मनाने में कोई आपत्ति नहीं है।

लेकिन, जंक फूड का क्या? यह हमारे जीवन में कब से आने लगा? खैर, यह 1900 के दशक के अंत में पैक किए गए खाद्य पदार्थों के आगमन के साथ मेल खाता है। बेशक, दशकों से, घर का बना खाना अभी भी मानक था। हालाँकि, डबल्यू डबल्यू टू के बाद, जंक फूड वास्तव में बंद होने लगा। आबादी अधिक यात्रा कर रही थी और अधिक खा रही थी, और इसके परिणामस्वरूप फास्ट फूड चेन और जमे हुए भोजन का गलियारा वास्तव में बंद हो गया। लोगों के चुनने के लिए बहुत सारे अलग–अलग खाद्य पदार्थ थे। हालांकि, 1970 के दशक तक जंक फूड को बदनाम करना शुरू नहीं हुआ था। यह तब था जब माइक्रोबायोलॉजिस्ट माइकल जैकबसन ने वास्तव में वाक्यांश गढ़ा था। उनका उद्देश्य उच्च परिरक्षक, उच्च नमक और उच्च चीनी वाले खाद्य पदार्थों के लिए हमारी भूख को कम करने का प्रयास करना था, जिसे हम चिंताजनक दर से खा रहे थे। तब से, जंक फूड के बारे में अधिक ज्ञान और जानकारी हुई है, और बहुत सारे खाद्य निर्माताओं ने जंक फूड के स्वस्थ संस्करण बनाने की कोशिश की है जो हमें सबसे ज्यादा पसंद हैं! फिर भी, यदि आप बार–बार जंक फूड खाते हैं, फिर भी आप आम तौर पर एक स्वस्थ आहार बनाए रखते हैं, तो इससे आपको कोई नुकसान नहीं होना चाहिए! आखिरकार, हम सभी बार–बार एक इलाज के लायक हैं, है ना? आप जो भी मीठा या नमकीन खाना चाहते हैं, उसे खाकर इस अद्भुत दिन का जश्न मनाएं! कपकेक बेक करें, कुकीज बनाएं, कुछ पॉपकॉर्न गर्म करें, अपनी कुछ पसंदीदा कैंडी खरीदें। दोस्तों को आमंत्रित करें और उन्हें अपने पसंदीदा में लाएं और जंक फूड बुफे बनाएं और बाकी दिन फिल्में देखने में बिताएं। आप मौज–मस्ती के लिए हमेशा कुछ फास्ट फूड ले सकते हैं। अपने आहार से एक धोखा दिन निकालें और रात के खाने के लिए मिठाई लें। जंक फूड के लिए आजकल बहुत सारी बेहतरीन रेसिपी ऑनलाइन हैं।

वास्तव में, आप देखेंगे कि कुछ अजीब और अद्भुत रचनाएँ हैं, जिनमें विभिन्न और असामान्य बर्गर रेसिपी और बहुत कुछ शामिल हैं । आप अपने दोस्तों के साथ राष्ट्रीय जंक फूड दिवस बिताने का फैसला भी कर सकते हैं। जंक फूड पार्टी की मेजबानी क्यों नहीं? आप अपने दोस्तों को बता सकते हैं कि सभी को कार्बी और वसायुक्त भोजन लाना है। हरी पत्तेदार खाद्य पदार्थों की अनुमति नहीं है! दिन का आनंद लें और एक साथ शामिल हों। आखिरकार, ऐसा नहीं है कि यह कुछ ऐसा है जो हम सभी को हर समय करने को मिलता है, है ना? तो, आप इसका अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं और उन नटखट खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं। हम किसी को नहीं बताएंगे ।

तनुश्री दत्ता ने 'बॉलीवुड माफिया' पर निकाली भड़ास, बोलीं- कान खोलकर सुन लो, मैं सुसाइड नहीं करुंगी...

बॉलीवुड अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने लोगों द्वारा उन्हें टारगेट किए जाने को लेकर एक लंबा चौड़ा नोट साझा किया है. उन्होंने इसमें श्बॉलीवुड माफिया, राजनीतिक सर्किट और राष्ट्र–विरोधी तत्वोंश के कारण उन्हें होने वाली परेशानियों का भी जिक्र किया है.

मुझे परेशान किया जा रहा है

तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, श्मुझे परेशान किया जा रहा है और बहुत बुरी तरह निशाना बनाया जा रहा है. कृपया कोई कुछ करे !! पहले यह था कि पिछले एक साल में मेरे बॉलीवुड के काम को तोड़ दिया गया था, फिर मेरे पीने के पानी को दवाओं और स्टेरॉयड के साथ मिलाने के लिए एक नौकरानी लगाई गई, जिससे कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हुईं, फिर जब मैं मई में उज्जैन गई तो मेरे दो बार मेरी गाड़ी के ब्रेक फेल कर दिये गये और मेरा एक्सीडेंट हुआ.

मैं आत्महत्या नहीं करने जा रही हूं

उन्होंने आगे लिखा, श्मैं मरते मरते बची और सामान्य जीवन और काम को फिर से शुरू करने के लिए 40 दिनों बाद मुंबई लौटी. अब मेरे फ्लैट के बाहर मेरे भवन में अजीबोगरीब घिनौना सामान है. कान खोलकर सुन लो सब लोग के लिए आत्महत्या नहीं करने जा रही हूं!! न ही मैं कहीं जा रही हूं. मैं यहाँ रहने और अपने करियर को पहले से कहीं अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए हूँ!श

इन लोगों को ठहराया जिम्मेदार

तनुश्री दत्ता ने लिखा, श्बॉलीवुड माफिया, महाराष्ट्र का पुराना राजनीतिक सर्किट (जिसका अभी भी यहां प्रभाव है) और नापाक राष्ट्रविरोधी आपराधिक तत्व आम तौर पर लोगों को परेशान करने के लिए इस तरह काम करते हैं. मुझे पूरा यकीन है कि जिन रुउमजवव अपराधियों और एनजीओ का मैंने खुलासा किया है, वे इस सब के पीछे हैं क्योंकि मुझे इस तरह निशाना बनाया और परेशान किया जाएगा?? आप सभी पर शर्म आती है!श

लड़कियों को परेशान किया जा सकता है

उन्होंने कहा, मुझे पता है कि बहुत से लोग मुझे खारिज करने की कोशिश करेंगे लेकिन मैं लंबे समय से इंस्टा पर अपडेट पोस्ट कर रही हूं. यह गंभीर मानसिक, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न है. यह ऐसी कौन सी जगह है जहां अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए युवा लड़के और लड़कियों को परेशान किया जा सकता है और मार डाला जा सकता है ?? मैं चाहता हूं कि महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन और सैन्य शासन स्थापित हो और केंद्र सरकार जमीनी स्तर के मामलों पर भी पूर्ण नियंत्रण रखे. यहां चीजें वास्तव में हाथ से निकल रही हैं. मेरे जैसे नियमित लोग पीड़ित हैं. आज मैं हूं, कल तुम भी हो सकते हो.

इस शहर में अब कोई कानून-व्यवस्था नहीं

उन्होंने आगे कहा,श मुझे लगता है कि मैंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ विषयों पर चर्चा करने से कुछ लोगों को गलत तरीके से परेशान किया है. अगर मेरे जैसा कोई व्यक्ति जो सामान से जुड़ा भी नहीं है, उसे इस तरह निशाना बनाया जा रहा है. इन सब के बावजूद मैं अपनी आध्यात्मिक साधना को और गहरा करूँगी और अपनी आत्मा को और मजबूत करूँगी. मैं नए व्यवसाय / काम के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं और जीवन में नए सिरे से शुरुआत करना चाहती हूं. इस शहर में अब कोई कानून–व्यवस्था नहीं! कलाकारों और अविवाहितों के लिए हमेशा एक सुरक्षित ठिकाना हुआ करता था. हे कृष्ण! भाई मेरी मदद करो.

सुकेश चंद्रशेखर ने तिहाड़ जेल से पहली बार किया था जैकलिन फर्नांडिस को कॉल, हेयरड्रेसर ने की थी मदद

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस तब अचानक सुर्खियां में आ गईं जब उनका नाम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में सामने आया था. ईडी ने इस मामले में बयान दर्ज करने के लिए कई बार एक्ट्रेस को तलब किया था. जैकलीन के सुकेश को डेट करने के कई किस्से सोशल मीडिया पर भी सामने आए लेकिन अभिनेत्री ने इसपर हमेशा चुप्पी साधे रखी और प्राइवेसी मांगी. लेकिन अब लेटेस्ट रिपोर्ट्स के अनुसार इस बात का खुलासा हुआ है कि कैसे सुकेश ने पहली बार 2021 में तिहाड़ जेल के अंदर से जैकलीन से फोन पर बात करनी शुरू की थी.

हेयरड्रेसर की मदद से किया कॉन्टैक्ट

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जैकलीन फर्नांडिस ने शुरू में कॉनमैन सुकेश के भेजे गए मैसेजेस का जवाब नहीं दिया. बाद में उसने अभिनेत्री के हेयरड्रेसर की मदद उनसे कॉन्टैक्ट किया. अपने परिचय में सुकेश ने कथित तौर पर कहा था कि वह एक टीवी नेटवर्क और एक ज्वैलरी ब्रांड के मालिक हैं. उन्होंने यह भी कहा कि वह गृह मंत्री अमित शाह के श्करीबीश व्यक्ति थे. रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पूछताछ के दौरान जैकलीन ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसे पता नहीं था कि सुकेश उसे तिहाड़ जेल के अंदर से कॉल कर रहा है.

सुकेश चंद्रशेखर और जैकलिन दो बार ही मिले थे

अभिनेत्री ने कथित तौर पर खुलासा किया कि सुकेश चंद्रशेखर उनसे केवल दो बार मिले थे जब वह पैरोल पर बाहर थे. हालांकि, यह ठग अभिनेत्री के साथ वीडियो कॉल के जरिए लगातार संपर्क में था जो उसने तिहाड़ जेल के अंदर बनाए गए ऑफिस स्पेस से किया था. इससे पहले सुकेश के वकील ने मीडिया को बताया था कि जैकलीन उन्हें डेट कर रही हैं. हालांकि, अभिनेता की टीम ने सुकेश के साथ किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया था. वो ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए आखिरी बार 27 जून को पेश हुईं थी.

प्राइवेट तस्वीरें वायरल होने पर जैकलिन ने कही थी ये बात

बता दें कि पिछले दिनों जैकलीन और सुकेश की कुछ प्राइवेट तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी जिसके बाद एक्ट्रेस ने बयान जारी किया था. उन्होंने कहा था,श्देश और यहां के लोगों ने मुझे हमेशा जबरदस्त प्यार और सम्मान दिया है. इसमें मीडिया के मेरे दोस्त भी शामिल हैं, जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है.

मैं वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रही हूं, लेकिन मुझे यकीन है कि मेरे दोस्त और प्रशंसक इसका ख्याल रखेंगे. इसी भरोसे के साथ मैं अपने मीडिया मित्रों से अनुरोध करूंगा कि वे ऐसी तस्वीरें प्रसारित ना करें जो मेरी गोपनीयता और व्यक्तिगत स्थान में दखल दें. उम्मीद है कि न्याय और अच्छी भावना प्रबल होगी.

बीएसएफ को ज्यादा पावर देने से नहीं होगी समस्या, बोले मंत्री नित्यानंद राय- बंगाल और पंजाब की शंकाएं निराधार

सीमावर्ती राज्यों में बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र बढ़ाये जाने का कुछ राज्यों में विरोध हो रहा है. पंजाब और पश्चिम बंगाल की सरकारों ने भी बीएसएफ की दायरा बढ़ाने का विरोध किया है. वहीं, इस मामले में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दोनों राज्यों से कहा है कि उनका विरोध निराधार है. उन्होंने कहा कि बीएसएफ का दायरा बढ़ाने से राज्य सरकार की शक्तियां सीमित नहीं होगी.

राज्य सरकार की आशंकाएं निराधार– नित्यानंद रायरू गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि पंजाब और पश्चिम बंगाल सरकार की आशंकाएं निराधार है कि बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र का विस्तार करने पर सरकार की शक्तियों का अतिक्रमण होता है. उन्होंने कहा कि इन आशंकाओं का कोई वजूद नहीं.

केंद्र सरकार ने बढ़ाया बीएसएफ का दायरारू गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने अपने एक फैसले में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के अधिकारों का दायरा बढ़ा दिया है. पहले बीएसएफ सीमावर्ती राज्यों में भारत के अंदर 15 किमी तक ही कार्रवाई कर सकती थी. लेकिन बीएसएफ का दायरा बढ़ाने के बाद अब ये सीमावर्ती राज्यों के 50 किमी अंदर तक कार्रवाई कर सकती हैं. पंजाब, बंगाल समेत गुजरात की सीमाएं पाकिस्तान से लगती हैं.

50 किलोमीटर अंदर तक बीएसएफ कर सकती है कार्रवाईरू केंद्र सरकार की ओर से बीएसएफ एक्ट में संशोधन के बाद बीएसएफ सीमा भारतीय इलाके में 50 किलोमीटर अंदर तक अपनी कार्रवाई कर सकते हैं.

इस आदेश का पंजाब और पश्चिम बंगाल में विरोध किया जा रहा है. ममता बनर्जी ने कहा है कि बीएसएफ पशु तस्करों की आड़ में नागरिकों को भी निशाना बना लेगी. ऐसे में उन्होंने क्षेत्र विस्तार का विरोध किया है. तो वहीं, पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को बढ़ाने के फैसले को संघीय ढांचे पर हमला करार दिया है.

आईआईटी ने रोबोट के लिए बनाई कृत्रिम मांसपेशियां, इंसानों के लिए भी होंगी उपयोगी

कानपुर । देश में विकसित रोबोट भारी–भरकम सामान नहीं उठा पाते हैं। इस समस्या का हल आईआईटी के वैज्ञानिकों ने खोज लिया है। वैज्ञानिकों ने रोबोट के लिए विशेष जैव प्रेरित कृत्रिम मांसपेशी विकसित की है। इस मांसपेशी का प्रयोग इंसानों के लिए कृत्रिम हाथ बनाने में भी किया जा सकेगा। आईआईटी में स्मार्ट मैटेरियल्स, स्ट्रक्चर्स एंड सिस्टम (एसएमएसएस) लैब में प्रो. बिशाख भट्टाचार्या की देखरेख में सीनियर प्रोजेक्ट मैकेनिक अभिषेक कुमार सिंह और सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर कन्हैया लाल चौरसिया ने कृत्रिम मांसपेशी विकसित की है। प्रो. बिशाख ने कहा कि भार का 70 फीसदी हिस्सा मांसपेशी के दम पर उठता है। इंसान इन्हीं मांसपेशियों के बल पर हाथ हल्के होने के बावजूद भारी सामान उठा पाता है। इसी पद्धति का प्रयोग कर मांसपेशी विकसित की है। अब संस्थान इच्छुक कंपनी को यह तकनीक दे देगा ताकि बाजार में कृत्रिम मांसपेशी आ सकें। संस्थान के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने कहा कि कृत्रिम मांसपेशी मिश्र धातु से बनी जैव प्रेरित है। यह कृत्रिम अंगों की लागत भी काफी कम कर देगी। इससे एमआरआई स्कैनर, सीटी स्कैनर और सर्जिकल रोबोट भारी सामान उठा सकेंगे। बड़े–बड़े भवनों में निर्माण सामग्री, जहाज से कंटेनर आदि उठाने वाले रोबोट इस मांसपेशी से ज्यादा भार उठा पाएंगे। इस मांसपेशी से फाइबर बल को माइक्रो स्तरीय मांसपेशी बल के साथ जोड़ा जा सकता है, जिससे पांच से छह गुना उच्च बल उठाने की क्षमता मिल सकेगी।

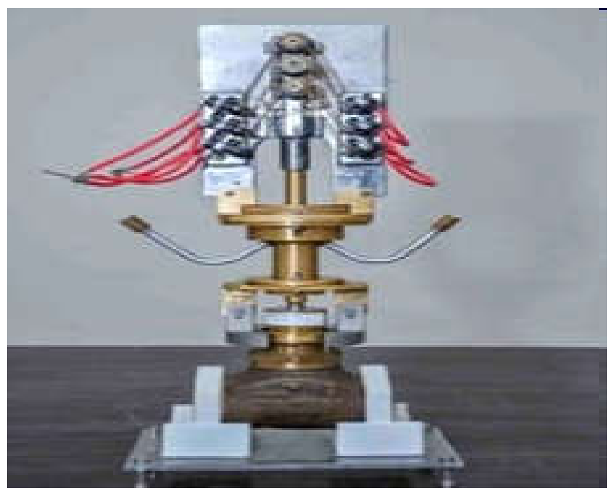

कुएं में पड़ा मिला किसान का शव, परिजनों में मचा कोहराम

कानपुर । बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत के सुखा पुरवा में बुधवार को किसान का शव ट्यूबवेल के कुएं में पड़ा मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव की शिनाख्त करा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि सुखा पुरवा गांव निवासी रामसिंह कटिहार (60) का शव कुएं में पड़ा मिला है। राम सिंह की मौत कैसे हुई इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी। घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

एसटीएफ ने सॉल्वर गैंग के छह सदस्यों को किया गिरफ्तार

कानपुर । एसटीएफ ने सॉल्वर गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। सॉल्वर आवास विकास तीन में स्थित अनजिप टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट में ग्रुप–डी की परीक्षा में बैठने की तैयारी में थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राजेश, सुमन कुमार, सतीश कुमार, अमरजीत कुमार, इंद्रजीत कुमार सिन्हा और अमरेंद्र कुमार शामिल हैं। सभी बिहार के रहने वाले हैं। इनके खिलाफ रावतपुर थाने में केस दर्ज किया गया है।

बिल्डर ने पेट्रोल डालकर ठेकेदार को जिंदा फूंका, इलाज के दौरान मौत

कानपुर । श्याम नगर में बुधवार दोपहर एक बिल्डर ने अपने घर के भीतर ही ठेकेदार को जिंदा फूंक दिया। चार घंटे तक वह जिंदगी के लिए जंग लड़ता रहा। आखिर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि 18 लाख रुपये के लेनदेन के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से पुलिस पूछताछ कर घटना के संबंध में और अधिक जानकारी जुटा रही है। लाल बंगला एनटू रोड स्थित एमईएस कालोनी में राजेंद्र पाल(59) का परिवार रहता है। मिलेट्री इंजीनियरिंग सर्विसेस में कार्यरत उनके बेटे अरविंद व पत्नी मीना पाल ने बताया कि राजेंद्र ठेकेदारी का काम करते थे। काफी समय तक वह श्याम नगर डी ब्लॉक निवासी बिल्डर शैलेंद्र श्रीवास्तव के साथ काम किया। राजेंद्र को शैलेंद्र से 18 लाख रुपये लेने थे। शैलेंद्र पैसे नहीं दे रहा था। इसको लेकर करीब तीन साल से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसलिए राजेंद्र उसके पास काम करना भी बंद कर दिया था । परिजनों के मुताबिक बुधवार सुबह करीब दस बजे राजेंद्र घर से निकले थे। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे उनके परिजनों को घटना की जानकारी हुई। परिजन व पुलिस मौके पर पहुंचकर राजेंद्र को पहले कांशीराम और फिर उर्सला में भर्ती कराया। शाम करीब साढ़े चार बजे राजेंद्र की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बिल्डर शैलेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में किसी और की भूमिका है या नहीं, इस पहलू की पुलिस तफ्तीश कर रही है।

सेना ने अपनी जमीन पर कब्जा हटाने का शुरू किया काम, लोगों ने विरोध कर सड़क की जाम

कानपुर । चकेरी गंगागंज में बुधवार को सेना ने अपनी जमीन पर कब्जा हटाने का काम शुरू कराया। इस दौरान कई थानों का फोर्स मौजूद रहा। मकान खाली करने को लेकर लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि वे गरीब परिवार से हैं। उन्होंने अपने रहने के लिए वैकल्पिक इंतजाम कराने की मांग की। लोगों का कहना है कि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और सांसद सत्यदेव पचौरी से भी गुहार लगाई है। लेकिन सभी ने हाथ खड़े कर दिए हैं। कहा कि उन लोगों को सरकारी आवास तक नहीं मिले। इस दौरान लोगों ने जीटी रोड पर जाम लगाने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने उन्हें हटा दिया। इस दौरान पीएसी बल भी तैनात रहा। वहीं कैंट, चकेरी, जाजमऊ का पुलिस बल भी मौजूद रहा। बताया गया कि सेना की ओर से इन लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही कई बार मौखिक रूप से कहा गया। लेकिन कुछ लोग नहीं हटे। उन्होंने इस दौरान विरोध करने का प्रयास किया।

कूड़े कचरे से भरी नालियों में कीटनाशक का किया गया छिड़काव

प्रधान द्वारा कागजों पर की जा रही विकास कार्यों की लीपापोती

फतेहपुर । जनपद के मलवा ब्लाक के अंतर्गत जनता गांव में प्रधान द्वारा कागजों पर विकास कार्यों के लिए पा पोती की जा रही है जहां देखा जा रहा है कि गांव में जो जल निकास के लिए नाली बनी हुई है उन पर कूड़ा कचरा भरा हुआ है और उसी कचरे के ऊपर सफाई कर्मचारियों के द्वारा कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा है बताते चले कि जनपद के मलवा विकासखंड क्षेत्र के जनता गांव में ग्राम प्रधान द्वारा किए गए विकास कार्यों के दावे कागजों पर पूरे हो रहे हैं अभी तक कोई नया कार्य नहीं कराया गया है पुराने कार्यों पर लीपापोती होती नजर आ रही है ग्रामीणों ने बताया कि गांव के अंदर जो जल निकास की नालियां बनी हुई है

उन्हें सफाई नहीं की गई है बारिश सर पर है जल निकासी कैसे होगी गांव के अंदर जो नालियां बनी हुई है कूड़े कचरे से भरी हुई बजबजा रही हैऔर उन्हीं के ऊपर कीटनाशक का छिड़काव कर कागजों पर विकास कार्य किया जा रहा है ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर सभी विकास कार्य जस के तस पड़े हुए हैं अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ है ।

किसान दिवस पर किसानों से अधिक अधिकारी और कर्मचारी रहे मौजूद

'हमीरपुर'– किसानों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सरकार ने किसान दिवस का आयोजन शुरू किया है जिसके चलते मौदहा कस्बे के तहसील सभागार में महीने के तीसरे बुधवार के अवसर पर किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की,हालांकि किसान दिवस का प्रचार प्रसार कम होने के कारण सेमिनार में किसानों से अधिक कर्मचारी नजर आए। महीने के तीसरे बुधवार के अवसर पर मौदहा कस्बे के तहसील सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की,इस दौरान किसानों को जल संरक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई ।किसानों को क्षेत्र में जल संरक्षण के विषय में वाटर रिचार्जिंग सिस्टम के तहत जल संरक्षण के साथ ही बताया कि गाडी आदि धोने में पानी की अधिक बर्बादी होती है इसे ध्यान में रखे ।साथ ही बाग बगीचों में टाईल या पत्थर नहीं लगाने की बात भी कही,इसके साथ ही खेतों या बागों में पाईप से पानी देने से अधिक पानी की बर्बादी होती है इसके स्थान पर स्प्रिंकलर से सिंचाई उचित तरीका है ।इसी के साथ ही नहाने में टब या शावर के प्रयोग से आमतौर पर बीस गुना अधिक जल खर्च होता है इसलिए नहाते समय टब के स्थान पर बाल्टी का प्रयोग करें और ब्रश करते समय पानी न चलाएं। साथ ही वर्षा के जल का संरक्षण अपने घरों में भी कर उसका रिचार्ज कर प्रयोग करें ।तथा जल श्रोतों या कुएं और तालाबों में कूडा डालकर उन्हें प्रदूषित न करें ।साथ ही बताया कि वर्ष 2008 वर्ग मीटर के भूखंड में शहरी क्षेत्रों में रूफ टाप हार्वेस्टिंग पद्धति को अनिवार्य किया गया था जिसे शंसोधित कर 300वर्ग मीटर के लिए अनिवार्य कर दिया गया है ।और तालाबों या जलाशयों की गहराई अधिकतम तीन मीटर से अधिक नहीं होगी ।साथ ही वर्ष 2008 से कक्षा छ से लेकर आठ तक वर्षा जल संचयन का विषय अनिवार्य और सभी सरकारी अर्ध सरकारी भवनों में वाटर रिचार्ज अनिवार्य किया गया है ।उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य भूजल सप्ताह के अन्तर्गत जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना था

ट्रेन से कट कर युवती की मौत, जांच में जुटी पुलिस

फतेहपुर । जनपद के खागा कोतवाली क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आ जाने से एक युवती की कटकर दर्दनाक मौत हो गई घटनास्थल पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी हुई है बताते चलें कि फतेहपुर जनपद के खागा कोतवाली क्षेत्र के कटौघन रेलवे लाइन पर एक युवती ट्रेन की चपेट में आ गई जिससे उसकी घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई युवती का शव क्षत–विक्षत होने के चलते शिनाख्त नहीं हो पाई वहां पर मौजूद कुछ राहगीरों ने बताया कि युवती पैदल पटरी के किनारे किनारे घूम रही थी काफी देर घूमने के बाद ट्रेन की चपेट में आ गई जिससे साबित होता है कि युवती ने आत्महत्या की है या फिर चपेट में आने से हादसा हुआ है यह सिर्फ अनुमान ही लगाया जा सकता है कि हादसा है या आत्महत्या इस घटना की सूचना मौजूद लोगों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैशिनाख्त होने पर व तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, एक की मौत साथी घायल

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और साथी की दर्दनाक मौत हो गई बताते चलें कि बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के अललियाबाद गांव के समीप बाइक सवार बिंदकी से बाजार कर वापस लौट रहे थे तभी सामने से आ रही अनियंत्रित कार ने बाइक में टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और साथी की दर्दनाक मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया है इधर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है परिवारी जनों को सूचना दे दी गई है वहां पर कोहराम मचा हुआ है थानाध्यक्ष ने बताया कि कार और बाइक की टक्कर से एक युवक घायल हो गया है और साथी की दर्दनाक मौत हो गई है

घायल युवक को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है परिवारी जनों को सूचना दे दी गई है तहरीर मिलने पर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

किसानों के माथे की चिंता हुई दूर खूब जमकर हुई बरसात

उदय समाचार । श्रावस्ती । मुरझाए पड़े फसल को मिला पानी किसानों की चिंता हुई दूर, श्रावस्ती जमुनहा मौसम की बेरुखी से खेतों में दरारें पड़ी हुई थी और किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें बनी हुई थी सावन के पहले सप्ताह बीत जाने के बाद श्रावस्ती में बुधवार को अचानक मौसम का मिजाज बादल छाया झमछमाती हुई बारिश जिससे लोगों को गर्मी की राहत मिली वही धान के फसलों को फायदा मिला नमी देकर किसानों चेहरे खिल उठे खेतों में पाइपिंग सेट से पानी लगाने के किसान के छूट रहे थे पसीने इंद्र देव की कृपा से आज बुधवार जिले में खूब हुई टूटकर बरसात खेतों में भरा पानी किसानों को मिला थोड़ी राहत की सांस ली तस्वीरों में आप देख सकते हैं तेजी के साथ बरसात हुई और खेतों और सड़कों पर भरा पानी नजर आ रहा है।

जलभराव होने के चलते ग्रामीणों को हो रही भारी समस्या

उदय समाचार । श्रावस्ती । ब्लाक जमुनहा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत फतेहपुर बनगई के मजरा बनगई में नाली की सफाई ना होने के कारण बरसात में जलभराव की समस्या होने से गांव के आरसीसी का खड़ंजा के बगल से आरसीसी रोड पर जलभराव होने से आवाजाही की परेशानी हो रही है गंदे पानी से होकर गुजर रहे हैं गांव के पिंटू वर्मा, रामधन वर्मा, जगदीश प्रसाद, राधेश्याम रामबरन ने बताया कि बरसात में घर के अंदर पानी भरा जाता है जो कि यह लोग चंदा इकट्ठा करके इंजन से पानी बाहर निकाल रहे हैं घरों से जो कि छोटे–छोटे बच्चों को बहुत दिक्कत होती है जिसके चलते कभी–कभी यह बच्चे गंदे कीचड़ जलभराव का शिकार हो जाते हैं रोड के नाली ना साफ होने की वजह से गंदा पानी जो लोगों के घर में भर जाता है इसके कारण पानी काला पड़ जाता है वही दुर्गंध के कारण संक्रमण बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है ग्रामीण रामधन वर्मा का कहना है कि पानी निकालने के लिए दूसरी वाली रोड की नाली की मरम्मत कराई जाए ।

जिला पंचायत क्षेत्र चुनाव क्षेत्र के विकास की प्रथम सीढ़ी है- राहुल राज रस्तोगी

उदय समाचार । श्रावस्ती । भारतीय जनता पार्टी श्रावस्ती द्वारा जिला पंचायत वार्ड संख्या 8 हेतु भाजपा समर्थित प्रत्याशी का नामांकन कराया। जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ओम व जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी की अध्यक्षता में जिले के जनप्रतिनिधियों, सदस्य विधान परिषद प्रज्ञा त्रिपाठी तथा कार्यकर्ता भारी संख्या में नामांकन में शामिल रहे। आपको बता दें कि बुधवार को भारतीय जनता पार्टी श्रावस्ती के भाजपा समर्थित प्रत्याशी अवधेश वर्मा ने अपने समर्थकों व पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जिला पंचायत क्षेत्र हरिहरपुर रानी चतुर्थ वार्ड संख्या 8 के उप चुनाव हेतु अवधेश वर्मा को भाजपा समर्थित बनाया गया था। जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ओम व जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी द्वारा भाजपा जिला कार्यालय पर नामांकन से पूर्व

जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, सदस्य विधान परिषद डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि अवधेश पाण्डेय सहित जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ओम ने कहाकि पंचायत चुनाव क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कहाकि पंचायत चुनाव क्षेत्र के विकास की प्रथम सीढ़ी है। क्योंकि यह वह पायदान है जिससे उस क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों का समुचित विकास किया जा सकता है। हम सभी कार्यकर्ताओं मिलकर अवधेश वर्मा को विजय श्री दिलाकर सरकार की जन कल्याणकारी व विकास योजनाओंको हर ग्राम पंचायत व पुरवे तक पहुंचने के लिए अपना पूरा योगदान देना है। नामांकन कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय कैराती पटेल, जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला, जिला मंत्री अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, नेकराम पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, विन्नु तिवारी, मण्डल अध्यक्ष अनिल निषाद, मण्डल अध्यक्ष विनोद साहू सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा चालक ने ट्रेन के सामने कूद कर दी जान, परिजनों में मचा कोहराम

हमीरपुर । जिले में सुमेरपुर कस्बे के इमिलिया थोक निवासी ई–रिक्शा चालक ने घर में झगड़ने के बाद ट्रेन से कटकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। कस्बे की इमिलिया थोक निवासी राजेंद्र (28) वर्ष पुत्र रामप्रकाश कुटार ई–रिक्शा चलाकर परिवार का भरण–पोषण करता था। पिता ने बताया कि मंगलवार शाम यह घर पर मुर्गा–दारू की पार्टी कर रहा था। इसी पर पत्नी संगीता से विवाद हो गया और वह रात में ही घर छोड़कर निकल गया। परिजनों ने भी उसे रात में तलाशने की कोशिश नहीं की। सुबह उसका शव कानपुर बांदा रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

हमीरपुर । जिले में सरीला कस्बे जा रहे बाइक सवारों को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक चालक की मौत हो गई। जबकि दो साथी घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जलालपुर थाने के बिलगांव निवासी संदीप कुमार (25) ने बताया कि मंगलवार शाम गांव के ही अपने मित्र विवेक कुमार (21) व अजय कुमार (20) के साथ बाइक से सरीला कस्बा जा रहे थे। रात करीब साढ़े 8 बजे पुरैनी गांव के पीली डेरा के समीप ट्रैक्टर चालक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर 108 एम्बुलेंस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर सत्येंद्र कुमार ने बाइक चालक विवेक कुमार को मृत घोषित कर दिया। चालक विवेक सिर में हेलमेट नहीं पहने था। मृतक की नौ माह की गर्भवती पत्नी पूनम, मां किरन, छोटे भाई निखिल का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पिता के साथ खेती बाड़ी कर परिवार का भरण पोषण करता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पंख एक पहल फाउंडेशन ने पौधरोपण कर लोगों को किया जागरूक

उदय समाचार । लखनऊ । राजधानी के आलमबाग स्थित मधुबन नगर पार्क में बुधवार को पौधारोपण किया गया जिसके तहत कई प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। साथ ही लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का कार्य किया गया । यह आयोजन पंख एक पहल फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। संस्था की सचिव निधि

श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में फलदार पौधे आम, कैथा, निम्बू, जामुन, अमरूद, आदि के पौधे लगाए गए । संस्था के उपाध्यक्ष ने मौजूद सभी से समय समय पौधरोपण करने का आग्रह किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा अनुसूचित मोर्चा के नगर महामंत्री दीपक सोनकर शैलु, संस्था के उपाध्यक्ष भरत मेहता, निजी हॉस्पिटल के पियूष चंदन, आशीष गुप्ता, शशि शर्मा, मोहिनी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

दबंगो के भूमि कब्जा करने से परेशान युवक ने केरोसिन डालकर किया आत्महत्या का प्रयास

उन्नाव । डीएम कार्यालय में बुधवार दोपहर एक युवक ने खुद पर केरोसिन डालकर सुसाइड करने की कोशिश की। कलेक्ट्रेट में तैनात पुलिस कर्मियों ने युवक को केरोसिन डालते देखा तो दौड़कर उसे पकड़ लिया। इसके बाद कोतवाली से पुलिस बुलाकर युवक को उनको सुपुर्द कर दिया। युवक की पहचान अचलगंज के जमुका निवासी शीलू सिंह के रूप में हुई है। शीलू सिंह ने बताया कि गांव के ही दबंग उसकी भूमि पर सिपाही की मिली भगत से कब्जा कर रहे हैं। पुलिस में शिकायत करने के बावजूद भी दबंगों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। दबंग के परेशान

किए जाने और सुनवाई नहीं होने से वह डीएम कार्यालय पहुंचकर खुद पर केरोसिन डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। दरअसल, युवक को बोतल खोलकर केरोसिन डालते समय पुलिस कर्मियों ने देख लिया। जिसके बाद पुलिस कर्मियों ने युवक से केरोसिन की बोतल छीनकर, उसे पकड़ लिया। डीएम रविंन्द्र कुमार ने मामले को संज्ञान में लेते हुए एसडीएम सत्यप्रिय सिंह को जांच का आदेश दिया है और जांच के बाद उचित कार्रवाई किए जाने को कहा है। पीड़ित शीलू सिंह ने बताया कि भूमि का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। दबंग के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा था। जिसे 7 जुलाई को दारोगा से रोकवाया गया था। मगर एक सिपाही से दबंगों ने मिली भगत करके 11 जुलाई से दोबारा निर्माण कार्य चालू कर दिया।

दिनदहाड़े बदमाशों ने तमंचे के बल पर लाखों के जेवर लूटे, जांच में जुटी पुलिस

महोबा । जिले के अशोकनगर में एक शिक्षक के आवास से बदमाशों ने दिनदहाड़े दस लाख के जेवर लूट लिए। घर में मौजूद शिक्षक की पत्नी को बुरी तरह पीटा और कनपटी में तमंचा लगाकर गोदरेज की चाबी छीन ली। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच करते हुए पीड़ित से जानकारी ली। पीड़ित ने कुछ लोगों पर शक जाहिर किया है। पुलिस टीमें आरोपियों की तलाश में जुट गई है। अशोकनगर निवासी अखिलेश रावत प्राथमिक विद्यालय पचहरा में शिक्षक हैं। बुधवार को वह रोजाना की तरह विद्यालय गए थे, जबकि उनकी पत्नी दीपिका घर पर थी। दोपहर करीब दो बजे तीन असलहाधारी बदमाश घर में घुस गए। इस दौरान घर में मौजूद दीपिका के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर मचाने पर कनपटी में तमंचा लगा दिया और जान से मारने की धमकी। इस दौरान बदमाशों ने गोदरेज की चाबी मांगी। डरी सहमी दीपिका ने चाबी दे दी। तब एक बदमाश उसे पकड़े रहा जबकि दो बदमाशों ने गोदरेज में रखी दस हजार की नकदी, सोने का हार, चूड़ियां समेत करीब दस लाख रुपये कीमत के सोने के जेवरात लूट लिए। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश बेखौफ होकर भागने में सफल रहे।

सूचना पर पहुंचे शिक्षक ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। कुछ जागरुक लोगों ने आईजी

को भी मामले से अवगत कराया। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी बलराम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। पीड़ित ने पड़ोस के ही कुछ लोगों पर शक जाहिर किया है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित की गईं। टीम ने कई स्थानों पर दबिश दी लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लगा। दिनदहाड़े हुई इस बड़ी घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

घाटमपुर पुलिस की मनमानी रवैया को लेकर किसान यूनियन ने क्षेत्राधिकारी को सौंपा ज्ञापन

कानपुर । घाटमपुर मंडी समिति में बने क्षेत्राधिकारी कार्यालय में सैकड़ों की तादात पर किसान यूनियन समर्थकों ने दिया धरना व घाटमपुर पुलिस की मनमानी रवैया को देखते हुए इंद्रजीत फौजी राष्ट्रीय महासचिव किसान यूनियन ने किसानों के साथ क्षेत्राधिकारी को सौंपा ज्ञापन, जानकारी के अनुसार बता देंगे घाटमपुर तहसील क्षेत्र के कई गांवों के मुद्दे उठाते हुए इंद्रजीत फौजी महासचिव किसान यूनियन ने आज कई गांवों के मुद्दों को उठाते हुए क्षेत्र अधिकारी को सौंपा ज्ञापन साथ ही उचित कार्रवाई करवाने की अपील की जैसे कि, गांव ओरिया का अर्चना यादव का उठाया मुद्दा जिस पर कोई अभी तक कार्रवाई नहीं हो पाई, तथा पतारा ब्लॉक प्रमुख पति का उठाया मुद्दा महिलाओं के साथ पुलिस के द्वारा अभद्रता करने के लगाये

आरोप वहीं घाटमपुर गौ तस्करों के खिलाफ उठाए मुद्दे, और कई आधा दर्जन गांव के मुद्दों पर बताया कि इनमें पुलिस अपनी मनमानी करती है जिस पर करीब आधा सैकड़ा, किसान महिलाएं व पुरुष मिलकर आज क्षेत्राधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर क्षेत्राधिकारी को सौंपा ज्ञापन और कहा कि पुलिस के पास आए फरियादियों के साथ के अमानवीय व्यवहार किया जाता है, वह फरियादियों को न्याय नहीं मिल पा रहा है, जिस पर भाकियू नेता इंद्रजीत फौजी के द्वारा दिया गया ज्ञापन, और कहां गया कि निष्पक्ष जांच कर उचित कार्यवाही की जाए ।

बारिश होने से क्षेत्र में किसानों के चेहरे में आई रौनक

रिमझिम बारिश ने दी लोगों को गर्मी से राहत

उदय समाचार । कानपुर । घाटमपुर तहसील क्षेत्र में हुई रिमझिम बारिश को देखते हुए किसानों के चेहरों में आई रौनक, बता दें कि बुधवार की दोपहर के बाद से तहसील क्षेत्र के आसपास क्षेत्रीय इलाकों में मानसून ने दी दस्तक, तेज हवाओं के झोंकों के साथ शुरू हुई रिमझिम बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। उनका कहना है कि देर से ही सही परंतु हुई बारिश के आसार तो बने , बता दें कि, उत्तर प्रदेश में मानसून की बारिश शुरू होने का समय 18 से 22 जून के लगभग शुरू हो जाता है। लेकिन, इस बार एक महीने से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी मानसून सक्रिय होता नहीं दिख रहा था। जिसके चलते चारों ओर पानी की थी किल्लत जहां किसानों के खेत–खलिहान और बाग–बगीचे सूखे पड़े होने से मवेशियों के लिए चारे का भारी

संकट था, जबकि, पेयजल समस्या भी गंभीर था, पशुपालकों ने बताया कि गांव में चारा की दिक्कतें आने लगी थी, जिसके चलते पशुपालक अपने मवेशियों को चारा नहीं खिला पा रहे हैं ,इधर बारिश न होने से खेतों में करबी की फसलें भी अभीतक नहीं तैयार हो सकी हैं। बुधवार की दोपहर बाद से मौसम का बदलाव हुआ, जिसके चलते रिमझिम बारिश देर शाम तक जारी है।

जिससे लोगों को गर्मी से भी राहत मिली । आसपास के इलाकों में लोगों ने बताया कि मौसम का रुख देखकर ग्रामीणों को चेहरे में झालकी खुशी, बताया कि अगर दो–तीन दिन इसी तरह बारिश होती तो, किसान अपने खेतों में फसलें बोने के साथ ही धान की लगाई भी शुरू कर देंगे, किसानों ने बताया की फसलों की बुवाई देरी से होगी। लेकिन फिर भी उनको उम्मीद है कि उनकी मेहनत का रंग जरूर लाएगी,

शव मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर । घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जाजपुर चौकी क्षेत्र के जैतीपुर रोड में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से मचा हड़कंप, जानकारी के अनुसार बता दें कि तहसील क्षेत्र के जैतीपुर रोड बंबा से करीब 200 मीटर दूर जैतीपुर की तरफ खेतों में पड़ा 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति का शव, देख हड़कंप मच गया, बता दें कि सूचना पुलिस को दी गई, मौके पर पहुंचे घाटमपुर थाना प्रभारी व क्षेत्राधिकारी और मौके पर जाजपुर चौकी इंचार्ज पहुंचकर

शव को कब्जे में लेते हुए शिनाख्त में जुट गए । वहीं शिनाख्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी ।